2010 - 2011
कक्षा 9
हिन्दी

अप्रैल / मई

दो बैलों की कथा

- छात्राएँ स्वतंत्रता का जीवन में बहुत महत्त्व है, यह भावना सीखेंगी।
- स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना सीखेंगी।
- किसी को गुलाम बनाना गलत है।
- शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठानी चाहिए।
- पशुओं के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना सीखेंगी।

कबीर की साखियाँ

- छात्राएँ ध्यान लगाना सीखेंगी।
- एक दूसरे से प्रेम से रहना सीखेंगी।
- धर्मों में भेदभाव नहीं करेंगी।
- सभी धर्मों के धार्मिक स्थलों में जायेंगी।
- प्रत्येक जीव में ईश्वर का निवास मानेंगी।
- कविता में कला सौन्दर्य की पहचान करना सीखेंगी।

इस जल प्रलय में

- किसी आपदा से बचने के उपाय छात्राएँ सीखेंगी।
- विपत्ति के समय दूसरों की सहायता करना सीखेंगी।

अपठित गद्यांश

- समझ कर पढ़ना सीखेंगी।
- पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना सीखेंगी।

निबन्ध

जुलाई

ल्हासा की ओर

- छात्राएँ यात्रा वर्णन करना सीखेंगी।
- तिब्बती समाज की जानकारी प्राप्त करेंगी।
- अपने समाज और दूसरे समाज में तुलना करना सीखेंगी।
- किसी भी यात्रा के दौरान होने वाले अनुभवों का वर्णन करना सीखेंगी।

ललद्यद

- छात्राएँ ईश्वर प्रेम के महत्त्व को समझेंगी।
- वे आशावादी दृष्टिकोण अपनायेंगी।
- जीवन का कोई लक्ष्य बनायेंगी जिसमें स्वार्थ की भावना नहीं होगी।
- ईश्वर को सर्वव्यापी मानेंगी और हिन्दू तथा मुसलमानों में समभाव रखना सीखेंगी।
- अलंकारों की जानकारी प्राप्त करेंगी।

मेरे संग की औरतें

- छात्राएँ लीक से हटकर जीना सीखेंगी।
- अपने समाज में महिलाओं के प्रति जो धारणा है, उसे बदल देंगी।
- स्वतंत्र होकर जीना सीखेंगी।

व्याकरण :

- उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा शब्दों का निर्माण करना सीखेंगी
- विशेषण - लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव।

पत्र - व्यक्तिगत पत्र

अगस्त

उपभोक्तावाद की संस्कृति

- छात्राएँ विज्ञापनों से आकर्षित होने से बचेंगी।
- वस्तुओं की गुणवत्ता के आधार पर उन्हें खरीदेंगी न कि विज्ञापनों की चमक दमक के आधार पर।
- दिखावे को न अपनाकर सादगी से रहना सीखेंगी।

रसखान

- छात्राएँ अपनी मातृभूमि के प्रति रसखान की तरह प्रेम करना सीखेंगी।
- अपनी मातृभूमि के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करना सीखेंगी।

कैदी और कोकिला

- छात्राएँ देश के लिए शहीद होने वाले सेनानियों से परिचित होंगी।
- बंदी सेनानियों पर होने वाले अत्याचारों की जानकारी प्राप्त होगी।
- ब्रिटिश शासन के समय भारत की दुर्दशा को जानेंगी।
- इतनी कठिनाइयों से मिली स्वतंत्रता को सँभाल कर रखना सीखेंगी।
- देश से प्रेम करना सीखेंगी।

व्याकरण

- परसर्ग 'ने' का क्रिया पर प्रभाव
- संज्ञा, सर्वनाम

सितम्बर

मुहावरे

- वाक्य प्रयोग

आवृत्ति

अक्तूबर

साँवले सपनों की याद

- छात्राएँ पक्षी प्रेमी सालिम अली की तरह पक्षियों से प्रेम करना सीखेंगी।
- अपने जीवन का कोई विशिष्ट उद्देश्य बनाना सीखेंगी।
- प्रकृति का संरक्षण करना सीखेंगी।

रीढ़ की हड्डी

- समाज में महिलाओं को उच्च स्थान दिलवाना सीखेंगी।

ग्राम श्री

- छात्राएँ गाँवों से और प्रकृति से प्रेम करना सीखेंगी।

नाना साहेब की पुत्री मैना

नवम्बर

चंद्रगहना से लौटती बेर

- छात्राएँ प्रकृति से प्रेम करना सीखेंगी।

व्याकरण

- कारक
- समास और उसके भेद

दिसम्बर

प्रेमचंद के फटे जूते

मेरे बचपन के दिन

- छात्राएँ लड़कियों के महत्त्व को समझेंगी।
- कल्पना करेंगी कि लड़कियों की संख्या कम होने पर भारतीय समाज का रूप कैसा होगा।
- भ्रूण हत्या की त्रासदी को समझेंगी।

मेघ आए

- वर्षा ऋतु का वर्णन।

व्याकरण

- विलोम - श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

जनवरी

एक कुत्ता और एक मैना

- पशु-पक्षियों में भी संवेदना होती है।
- छात्राएँ पशु-पक्षियों से प्रेम करना सीखेंगी।

माटी वाली

- विस्थापन की समस्या को गंभीरता से समझेंगी।

यमराज की दिशा

- आज शोषणकारी ताकतें हावी हो रही हैं, हिंसा बढ़ रही है, इस बात को छात्राएँ गंभीरता से समझेंगी।

फरवरी

किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया

बच्चे काम पर जा रहे हैं

- छात्राएँ बाल मजदूरी की समस्या से परिचित होंगी।

पर्यायवाची शब्द

आवृत्ति

संस्कृत

अप्रैल / मई

गद्य : तत्वमसि, स्वस्थवृत्तम्
अभ्यास पु० : प्रथमः अभ्यासः से चतुर्थः अभ्यासः
शब्द रुप : अकारान्त, आकारान्त, इकारान्त, ईकारान्त, उकारान्त, ऋकारान्त शब्दों की आवृत्ति। वाच् (चकारान्त स्त्री.) "दिश्' (शकारान्त स्त्री.) वारि (इकारान्त नपुं.) "दधि' (इकारान्त नपुं.) विद्वस् राजन् (नपुं.)
सर्वनाम शब्द : युष्मद् , तद्
संख्यावाची शब्द : एक , द्वि (पु., स्त्री., नपुं.)
धातु रुप : भू, हस्, पठ्, नम्, गम् (पाँचों लकारों में)
चित्र वर्णनम् : जन्तुशाला, तीर्थस्थलस्य वर्णनम्
पत्र : प्रधानाचार्य शुल्क क्षमापतार्थं पत्रं।
स्वविद्यालयस्य वर्णनम् कुर्वन् मित्रम् प्रति पत्रं लिखत।

जुलाई

गद्य : अविवेकः परमापदम् पदम्, भ्रातृस्नेहस्तु दुर्लभः
अभ्यास पु० : पंचमः, सप्तदशः अभ्यासः
शब्द रुप : जगत् (नपुं. तकारान्त) पठित शब्द रुपों की आवृति।
धातु रुप : "सेव' (आत्मनेपद) पाँचों लकारों में।
अपठित गद्यांश

अगस्त

गद्य : विद्यया भान्ति सद्गुणाः
पद्य : तरवे नमोऽस्तु
अभ्यास पु० : षष्ठः से अष्टः अभ्यासः
शब्द रुप : अस्मद् सर्वनाम
कर्तृ , पितृ ऋकारान्त शब्द
संख्यावाची शब्द : चतुर
धातु रुप : दृश्, पृच्छ (पाँचों लकारों में)
चित्र वर्णनम् : स्वदिनचर्या
पत्र : पुस्तक प्रेषण विषये प्रकाशम् प्रति पत्रम्।

सितम्बर

गद्य : कर्मणा याति संसिद्विम्
अभ्यास पु० : नवमः, दशमः अभ्यासः
धातु रुप : लिख् (पाँचों लकारों में)
शब्द रुप : मातृ ऋकारान्त, यद् सर्वनाम (तीनों लिङ्गों में)
संख्यावाची शब्द : पंचन्, षष्ट्
उपपद विभक्ति नियम

अक्तूबर

गद्य : विजयताम् देशः

अभ्यास पु० : नवदशः अभ्यासः

शब्द रुप : "किम' तीनों लिंगों में

संख्यावाची शब्द : सप्तन्

धातु रुप : ज्ञा, नृत , ग्रह (पाँचों लकारों में)

नवम्बर

गद्य : कोऽहम् वदतु साम्प्रतम्

अभ्यास पु० : एकादशः अभ्यासः

शब्द रुप : "सर्व' (सर्वनाम तीनों लिंगों में)

धातु रुप : लभ् (आत्मनेपद पाँचों लकारों में)

चित्र वर्णनम् : स्वदेश - प्रेम

पत्र : पर्वतीय स्थलस्य भ्रमणार्थक गतायाः सुतायाः मातरं प्रति पत्रम्।

दिसम्बर

गद्य : न धर्म वृद्धेषु वयः समीक्ष्यते, भारतीय विज्ञानम्

अभ्यास पु० : त्रयोदशः , चर्तुदशः अभ्यासः

शब्द रुप : एतद्, किम् (सर्वनाम) , नामन् (नपुं.)

जनवरी

पद्य : भारतेनास्ति में जीवनम् जीवनम्। कवयामिं, वयामि, यामि

अभ्यास पु० : आवृत्ति

शब्द रुप : इदम (सर्वनाम तीनों लिंगों में) पयस्

धातु रुप : वृध् आत्मनेपद (पाँचों लकारों में)

पत्र : कमपि शुभकामना सन्देशनाधारी कृत्य अनुजं प्रति पत्रम्